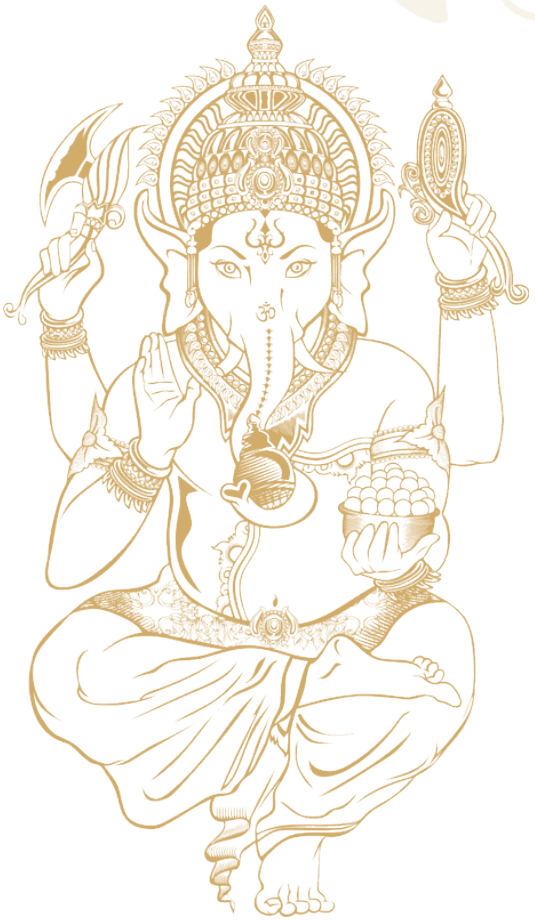

Babita

20 Jun 2002

08:00 PM

Sujangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119363812

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/06/2002**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	35:57:42 घटी
स्थान	**Sujangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:42:00 उत्तर
रेखांश	74:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:27:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:28 घंटे
साम्पातिक काल	13:22:23 घंटे
सूर्योदय	05:36:55 घंटे
सूर्यास्त	19:30:19 घंटे
दिनमान	13:53:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	05:12:09 मिथुन
लग्न के अंश	13:02:57 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रूपा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	13:02:57	342:56:28	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मिथु	05:12:09	00:57:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	सम राशि
चंद्र			तुला	09:32:42	14:12:20	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			मिथु	21:13:57	00:38:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			वृष	12:46:20	00:52:05	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	26:47:09	00:12:57	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	12:50:37	01:09:52	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
शनि		अ	वृष	26:00:41	00:07:44	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु			वृष	23:57:16	00:01:05	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	23:57:16	00:01:05	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:49:30	00:00:50	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	16:43:24	00:01:06	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	22:02:01	00:01:33	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			कन्या	28:23:12	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:13

लग्न-चलित

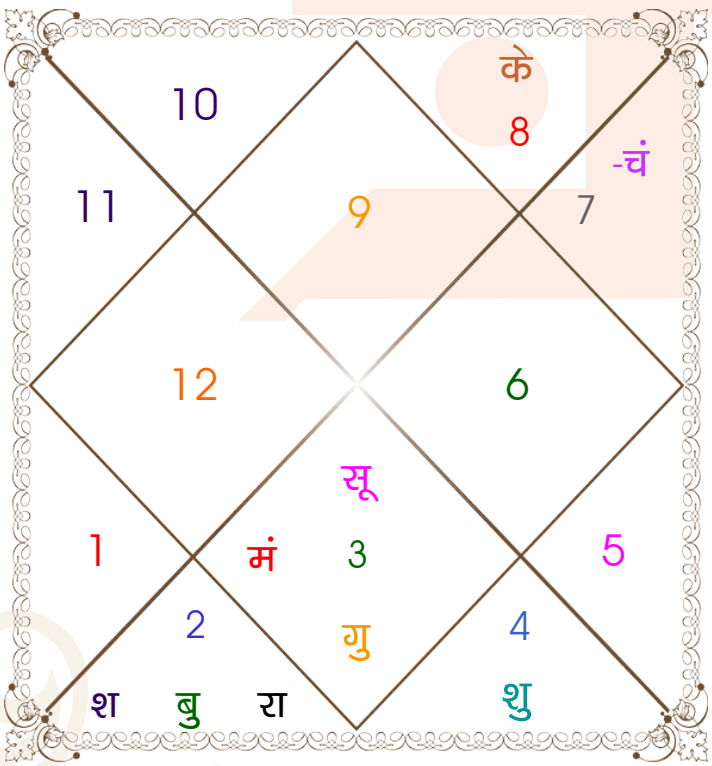

चन्द्र कुंडली

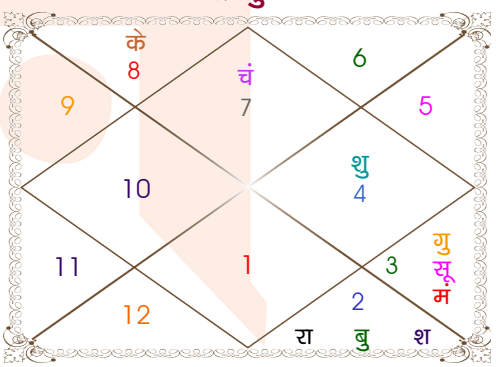

नवमांश कुंडली

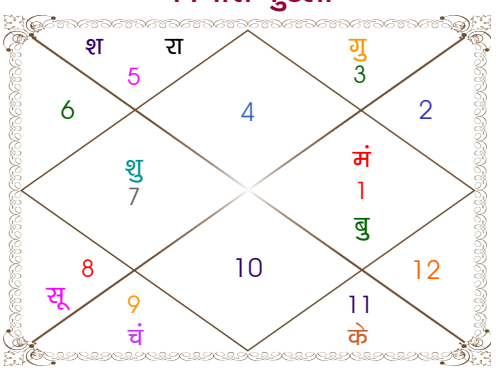

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 1 मास 11 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/06/2002		01/08/2016		01/08/2032		01/08/2051		01/08/2068	
01/08/2016		01/08/2032		01/08/2051		01/08/2068		01/08/2075	
	20/06/2002	गुरु	19/09/2018	शनि	04/08/2035	बुध	28/12/2053	केतु	28/12/2068
गुरु	07/09/2003	शनि	01/04/2021	बुध	13/04/2038	केतु	25/12/2054	शुक्र	27/02/2070
शनि	14/07/2006	बुध	08/07/2023	केतु	23/05/2039	शुक्र	25/10/2057	सूर्य	05/07/2070
बुध	30/01/2009	केतु	13/06/2024	शुक्र	23/07/2042	सूर्य	31/08/2058	चंद्र	03/02/2071
केतु	18/02/2010	शुक्र	12/02/2027	सूर्य	05/07/2043	चंद्र	31/01/2060	मंगल	02/07/2071
शुक्र	17/02/2013	सूर्य	01/12/2027	चंद्र	02/02/2045	मंगल	27/01/2061	राहु	19/07/2072
सूर्य	12/01/2014	चंद्र	01/04/2029	मंगल	14/03/2046	राहु	16/08/2063	गुरु	25/06/2073
चंद्र	14/07/2015	मंगल	08/03/2030	राहु	18/01/2049	गुरु	21/11/2065	शनि	04/08/2074
मंगल	01/08/2016	राहु	01/08/2032	गुरु	01/08/2051	शनि	01/08/2068	बुध	01/08/2075

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/08/2075		01/08/2095		02/08/2101		02/08/2111		02/08/2118	
01/08/2095		02/08/2101		02/08/2111		02/08/2118		00/00/0000	
शुक्र	01/12/2078	सूर्य	19/11/2095	चंद्र	02/06/2102	मंगल	29/12/2111	राहु	14/04/2121
सूर्य	01/12/2079	चंद्र	19/05/2096	मंगल	01/01/2103	राहु	16/01/2113	गुरु	21/06/2122
चंद्र	01/08/2081	मंगल	24/09/2096	राहु	02/07/2104	गुरु	23/12/2113		00/00/0000
मंगल	01/10/2082	राहु	19/08/2097	गुरु	01/11/2105	शनि	01/02/2115		00/00/0000
राहु	01/10/2085	गुरु	07/06/2098	शनि	02/06/2107	बुध	29/01/2116		00/00/0000
गुरु	01/06/2088	शनि	20/05/2099	बुध	01/11/2108	केतु	26/06/2116		00/00/0000
शनि	01/08/2091	बुध	27/03/2100	केतु	02/06/2109	शुक्र	26/08/2117		00/00/0000
बुध	01/06/2094	केतु	02/08/2100	शुक्र	01/02/2111	सूर्य	01/01/2118		00/00/0000
केतु	01/08/2095	शुक्र	02/08/2101	सूर्य	02/08/2111	चंद्र	02/08/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 1 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।